MEET THESE GREAT TEACHERS

भारत में किसी शैक्षणिक संस्था, यूनिवर्सिटी, स्कूलकॉलेज से जुड़े किसी व्यक्ति का राजनीति में भाग - लेना नई बात नहीं है। अध्यापन जगत से राजनीति में आकर कामयाब होने वाले नेताओं की फेहरिस्त लंबी है। चूंकि, अध्यापन को लाभ का पद नहीं माना जाता है। इसलिए टीचर राजनीतिक रूप से सक्रिय भी हो सकता है। वह चुनाव भी लड़ सकता है।

प्रणब मुखर्जी भी रहे हैं टीचर

देश के मौजूदा राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी वकील और पत्रकार के रूप में भी काम कर चुके हैं। लेकिन राजनीति के मैदान में उतरने से पहले वे बीरभूम जिले के एक कॉलेज में कुछ साल बतौर टीचर पढ़ाया था। हालांकि, 1969 में वे पूरी तरह से राजनीति में सक्रिय हो गए थे।

डॉ. मनमोहन सिंह

देश के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह मशहूर अर्थशास्त्री हैं। उन्होंने अपना टीचिंग करियर पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से शुरू किया था। बाद में वे यूएन चले गए। कई साल वहां गुजारने के बाद उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में मोटी पगार की नौकरी को छोड़कर दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित कॉलेज दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स (डीएसई) में इंटरनेशनल ट्रेड विभाग में प्रोफेसर के तौर पर कई साल अध्यापन का काम किया। बाद में वे वित्त मंत्रालय में सलाहकार और फिर सचिव के तौर पर जुड़ गए। डीएसई के कई पूर्व छात्र कॉलेज के उन दिनों को आज भी याद करते हैं जब मनमोहन सिंह टीचर के रूप में वहां पढ़ाते थे। कुछ साल पहले डीएसई के स्वर्ण जयंती कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए मनमोहन सिंह ने कहा था कि वे आज भी यह समझ नहीं पाते कि अध्यापन छोड़कर राजनीति में जाने का फैसला सही था या नहीं। उन्होंने कहा था कि वे बहुत पहले से टीचर बनने का ख्वाब देखा करते थे।

राजनाथ सिंह

उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के भभौरा गांव के रहने वाले राजनाथ सिंह 1971 में गोरखपुर यूनिवर्सिटी से फीजिक्स में एमएससी करने के बाद वे मिर्जापुर के के. बी. डिग्री कॉलेज में प्राध्यापक नियुक्त हुए थे। हालांकि, वे जल्द ही राजनीति में सक्रिय हो गए और पहले विधायक, केंद्रीय मंत्री और फिर मुख्यमंत्री बने। इस समय वे लोकसभा सांसद और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।

मुरली मनोहर जोशी

मुरली मनोहर जोशी पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उन्होंने लंबे समय तक इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के फीजिक्स डिपार्टमेंट में बतौर अध्यापक काम किया है। पूर्व प्रधानमंत्री वीपी

सिंह इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में उनके छात्र थे। फीजिक्स में अपना रिसर्च पेपर हिंदी में प्रस्तुत करने वाले जोशी देश के पहले विद्यार्थी हैं।

मुलायम सिंह यादव

उत्तर प्रदेश में समाजवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने का दावा करने वाले समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो मुलायम सिंह यादव भी सियासत में रमने से पहले इटावा के जैन इंटर कॉलेज में अध्यापक थे। उन्हें पहलवानी का भी शौक रहा है।

शिवराज पाटिल

लोकसभा के पूर्व स्पीकर, पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री और पूर्व राज्यपाल शिवराज पाटिल कांग्रेस के वरिष्ठ

नेता हैं। राजनीति में पूरी तरह सक्रिय होने से पहले वे बॉम्बे यूनिवर्सिटी में लेक्चरर के तौर पर पढ़ाते थे।

मायावती

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बीएसपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती राजनीति में कूदने से पहले दिल्ली के एक स्कूल में पढ़ाती थीं। उनके पास बीएड की डिग्री भी है।

एपीजे अब्दुल कलाम

भारत में परमाणु कार्यक्रम के जनक कहे जाने वाले एपीजे अब्दुल कलाम मशहूर वैज्ञानिक और

अध्यापक हैं। वे 2001 में अन्ना यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर नियुक्त किए गए थे। बाद में वे भारत के राष्ट्रपति बने।

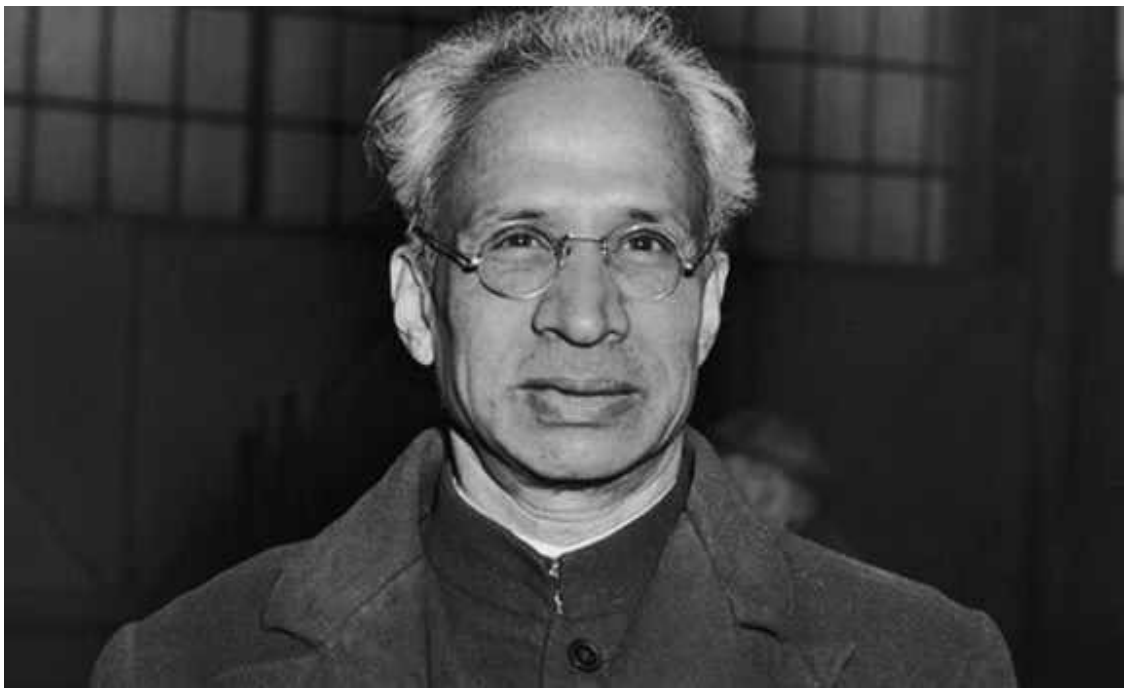

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

देश के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन 5 सितंबर को भारत में टीचर्स डे के तौर पर मनाया जाता है। डॉ. राधाकृष्णन दर्शनशास्त्र और धर्म के मशहूर विद्वान थे। वे आंध्र यूनिवर्सिटी और बीएचयू के वीसी भी रहे। इसके बाद वे भारत के उप राष्ट्रपति बने और फिर राष्ट्रपति। डॉ. राधाकृष्णन ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में भी अध्यापन किया। वेद, वेदांत और दर्शन पर उनकी समझ को अकादमिक जगत में आज भी याद किया जाता है।